This question paper contains **2** printed pages]

# AN—173—2019

## FACULTY OF ARTS

## M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

## MARCH/APRIL, 2019

HINDI

Paper XI

(हिंदी साहित्य का इतिहास, भाग 1)

**(Friday, 26-4-2019)** **Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.**

*Time—Three Hours* *Maximum Marks*—75

*N.B. :—* (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा को स्पष्ट करते हुए आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान की चर्चा करा. 20

**अथवा**

सिद्ध साहित्य का परिचय देते हुए इस काव्य की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

2. भक्तिकाल की सामान्य परिस्थितियों को विश्लेषित कीजिए। 20

**अथवा**

सूफी काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए जायसी के योगदान की चर्चा कीजिए।

3. रीतिकाल की पृष्ठभूमि को विस्तार से समझाइए। 20

**अथवा**

रीतिबद्ध काव्य-प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **पंद्रह-बीस** पंक्तियों में लिखिए : 5

(*i*) हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्या पर प्रकाश डालिए।

(*ii*) रासो साहित्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(*iii*) संत काव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(*iv*) रीतिमुक्त काव्यधारा का परिचय दीजिए।

P.T.O.

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) आदिकाल को 'बीजवपन काल' की संज्ञा किसने दी है ?

(*ii*) 'पृथ्वीराज रासो' के रचनाकार कौन हैं ?

(*iii*) आधुनिक काल को 'गद्यकाल' किसने कहा है ?

(*iv*) 'आखिरी कलाम' किसकी रचना है ?

(*v*) बिहारी किस धारा के कवि हैं ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) 'मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' के लेखक ..... हैं।

(*ii*) साहित्येतिहास लेखन में संवत् 750-1000 वि. तक के कालखंड को डॉ. रामकुमार वर्मा ने ..... की संज्ञा दी है।

(*iii*) ..... सर्वप्रथम सिद्ध माने जाते हैं।

(*iv*) संतों की भाषा को ..... संज्ञा दी जाती है।

(*v*) 'शिवा-बावनी ..... का प्रसिद्ध काव्य-ग्रंथ है।



3AB22FADDF5E2A9078C4DB456DA0B0D4